हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

11 योग दिवस पर बाल भवन में चलाया सफाई अभियान

12 जिलावासियों में दिखा उत्साह, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का दिया संदेश

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर।

10.39 ग्राम स्मैक के साथ नशा तस्कर को गिरफ्तार

रेवाड़ी। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जिला यूनिट ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 10.39 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। यूनिट प्रभारी निरीक्षक धर्मबीर सिंह ने बताया कि एसआई तूफान सिंह को सुचना मिली कि सोयब उर्फ सिक्कु निवासी पटोदी नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का काम करता है तथा रेवाड़ी-पटोदी रोड पर सर्विस स्टेशन के सामने नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर एचएसएनसीबी टीम ने आरोपी को स्मैक सहित काबू कर लिया। पुलिस की ओर से आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया गया है। पुलिस आरोपी से नशा तस्करी नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य अपराधियों की पूछताछ में जुटी है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अवैध नशीला पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी काबू

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने अवैध नशीला पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला मथुरा गांव कोसी कलां हाल किरायेदार सैनी कॉलोनी बांस रोड निवासी दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 82 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ गांजा बरामद किया है। गत 20 जून को पुलिस को सूचना मिली कि दीपक निवासी सैनी नशीला पदार्थ गांजा बेचने का काम करता है तथा ट्रक यूनियन के पास नशीला पदार्थ गांजा बेचने के लिए खड़ा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गांजा सहित काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जुआ खेलते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने जुआ खेलते हुए 3 आरोपियों गांव कन्हौरी निवासी हवा सिंह, बिजेन्द्र व जलकरण को गिरफ्तार किया है। गत 20 जून को पुलिस को सूचना मिली कि गांव कन्हौरी चौपाल के पास कुछ लोग ताश के पत्तों से पैसे दांव पर लगाकर जुआ खेल रहे है। पुलिस ने मौके से आरोपियों को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते व 7900 रुपये बरामद किए गए। आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

महंत मुरलीदास महाराज की बरसी पर किया हवन

रेवाड़ी। जिले के गांव भाड़ावास स्थित बाबा दूधाधारी मंदिर में रविवार को महंत मुरलीदास महाराज की 50वीं बरसी के उपलक्ष्य में हवन और भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाजसेवी बदलूराम यादव थानेदार ने वर्ष 2011 में बाबा मुरलीदास के मंदिर का निर्माण अपने निजी कोष से कराया था, इसके बाद से प्रति वर्ष लगातार 21 जून को बाबा की बरसी पर मंदिर में आयोजन किया जाता है। रविवार को महंत कालिदास महाराज के सान्निध्य में प्रातः हवन और सत्संग के बाद प्रसाद वितरित किया गया। हवन में यजमान के रूप में दयाराम और माया देवी मौजूद थे। बदलूराम थानेदार, भतेरी देवी और इमरती देवी ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर 3938 में से 3673 ने दी परीक्षा, जबकि 265 परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र नहीं पहुंचे

नीट एग्जाम में छात्राओं के बाल खुलवाएं, कलावे काटे 'प्लायर' से तोड़ा लोअर की जेब में लगा चेन का 'जिपर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से रविवार को जिले में 12 परीक्षा केंद्रों नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट यानि नीट की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गई। परीक्षा केंद्रों पर 3938 परीक्षार्थियों में से 3673 ने परीक्षा दी, जबकि 265 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। परीक्षा में 93.27 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित थे। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू की गई। परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 बजे से ही परीक्षार्थी आने शुरू हो गए, जबकि एंट्री सुबह 11 बजे से शुरू की गई और दोपहर 1:30 बजे प्रवेश बंद कर दिया गया। परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश पाने से पहले परीक्षार्थियों को तीन लेयर की सुरक्षा से होकर गुजरना पड़ा। पहले लेयर में पुलिसकर्मियों ने चेकिंग की, जबकि दूसरी लेयर में परीक्षा केंद्र पर तैनात स्टाफ और अंतिम लेयर में परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से पहले परीक्षार्थियों की चेकिंग की गई। नीट की परीक्षा को शांतिपूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस के पुख्ता प्रबंध थे। डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा व एसडीएम संजीव कुमार सहित सभी ड्यूटी मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्र के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के साथ थाना प्रभारी व प्रशासनिक अफसरों को तैनात किया गया। परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 सख्ती से लागू रही।

छात्रों के जूते खुलवाकर चेकिंग की

परीक्षा केंद्र में एंट्री के समय छात्राओं के नोजपिन, ईयर रिंग्स के साथ हाथ में बंधे कलावा उतरवाएं गए। छात्राओं के बालों से हैयर बैंड व प्लास्टिक के क्लेचर तक उतरवाकर बाल खुले करवाए गए। यहां तक कि राजकीय बाल विद्यालय के परीक्षा केंद्र के बाहर महिला पुलिस कर्मी ने छात्रा के लोअर की जेब में लगे चेन के 'जिपर' को 'प्लायर' से तोड़ती नजर आई। परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के नजर के चश्में भी उतरवाकर चैक किए गए। छात्रों के जूते खुलवाकर चेकिंग की गई। बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन और पहचान पत्र की पुष्टि के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में एंट्री दी गई। परीक्षार्थियों को रुमाल, पेन व पेंसिल के साथ फोन और किसी तरह के इलेक्ट्रानिक उपकरण सहित पानी की बोतली भी अंदर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। परीक्षार्थियों को पैन परीक्षा केंद्र पर ही उपलब्ध कराया गया। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर का प्रबंध भी किया गया था।

रेवाड़ी। परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रा के लोअर की चैन का प्लायर से जिपर तोड़ती पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। राजकीय बाल विद्यालय के परीक्षा केंद्र के पास बंद दुकानें व सूना पड़ा रोड।

रेवाड़ी। गर्ल्स स्कूल के परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रा के हाथ का कलावा तोड़ती पुलिसकर्मी, परीक्षा केंद्र के बाहर छात्र का चश्मा चैक करता पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

इन परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा

जिले में आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के लिए 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए, जिनमें राजकीय महिला महाविद्यालय रेवाड़ी, राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी, पीएमश्री राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोकलगढ़, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सहारनवास, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बावल, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरावड़ा, राजकीय पॉलिटेक्निक लिसाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बूढ़पुर तथा पीएमश्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना शामिल थे।

200 मीटर की परिधि में पुलिस की बेरिकेडिंग

परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर की परिधि में पुलिस की ओर से बेरिकेडिंग करके सुरक्षा घेरा बनाया गया। परीक्षा के समय आसपास के साइबर कैफे व फोटो स्टेट सहित सभी दुकानें बंद रही। सुरक्षा घेरे से सरकारी वाहनों को छोड़कर स्कूटी-बाइक सहित किसी भी निजी वाहन की आवाजाही बंद रही। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर व पेन ड्राइव जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्णतयः प्रतिबंध रहा। ज्योमेट्री बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, राइटिंग पैड, स्केल और इरेजर जैसी वस्तुएं भी ले जाने की भी अनुमति नहीं दी गई। परीक्षा केंद्र में वॉलेट, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी और धातु के आभूषण गेट पर ही रखवाए गए।

आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 5 लाख 95 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 27 लाख से अधिक की ठगी करने वाला आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष गांव भाड़ावास निवासी एक व्यक्ति से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 27 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान बिहार के जिला समस्तीपुर के दलसिंहसराय की लोकनाथपुर कॉलोनी निवासी अनिल कुमार राम के रूप में हुई है। गत वर्ष 18 सितंबर को गांव भाड़ावास निवासी सतेन्द्र कुमार ने शिकायत में बताया था कि 19 अगस्त 2025 को उसके पास व्हाट्स एप पर एक कॉल आई थी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में साइबर ठगी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

■ ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच दिया था

कॉल करने वाले ने खुद को ट्रेडिंग से जुड़ा हुआ बताते हुए ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। उसे इंस्टीट्यूशनल अकाउंट खोलने का झांसा दिया और कम कीमत पर ब्लॉक ट्रेडिंग कराने का दावा किया। आरोपी ने उसके पास एक लिंक भेजा, जिस पर रजिस्ट्रेशन कर उसकी आईडी बनाई गई। बाद में ट्रेडिंग के लिए अकाउंट रिचार्ज करने को कहा गया। जब रिचार्ज में परेशानी आई तो आरोपी ने उसे अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी दी। उसके बाद उसने कई ट्रांजेक्शन करते हुए 27 लाख 01 हजार 485 रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब उसने मुनाफा और जमा राशि को निकालने का प्रयास किया तो कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी अनिल कुमार राम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम में से 5 लाख 95 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आरोपी की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी पिस्टल व 1 जिंदा रोंद बरामद हुआ

सीआईए ने अवैध हथियार के साथ दो आरोपी किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए रेवाड़ी की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव आराम नगर निवासी पवन कुमार व गांव ढालियावास निवासी इंद्रजीत उर्फ चुर्री के रूप में हुई है। गत 20 जून को सीआईए को सूचना मिली कि पवन कुमार निवासी गांव आराम नगर के पास अवैध हथियार है तथा अपने गांव के बस स्टैंड से कनुका मार्ग पर किसी के इंतजार में खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी पिस्टल व 1 जिंदा रोंद बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे हथियार गांव ढालियावास निवासी इंद्रजीत उर्फ चुर्री ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना रामपुरा में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके आरोपी पवन कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है तथा आरोपी इंद्रजीत उर्फ चुर्री को पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

खेतों में जमा दूषित पानी किसान संगठन ने उठाई समाधान की मांग

रेवाड़ी। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान रामकुमार निमोठ ने जिला प्रशासन से गांव ततारपुर, ईस्तमुरार व राजपुरा के किसानों की जमीन में भरे हुए गंदे पानी की समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गांवों की कई एकड़ जमीन में पिछले दो साल से मसानी बैराज से छोड़ा गया गंदा पानी भरा हुआ है, जिसके कारण किसान खेतों में फसल बिजाई नहीं कर पा रहे है। उन्होंने खेतों की विशेष गिरदावरी कराने की मांग की। उन्होंने कहा

कि दूषित जल के भराव के कारण खेत खाली रहने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। गंदे पानी से भूमिगत जल भी दूषित होने का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने किसालों को रबी और खरीफ दोनों फसलों का 50-50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने व खेतों में जमा गंदा पानी निकालने की व्यवस्था करने सहित मसानी बैराज में गंदे पानी डालने पर रोक लगाने की मांग की है।

युवा पीढ़ी को महापुरुषों के बताए गए मार्ग पर चलने की जरूरत

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद विधायक व नागरिक। फोटो : हरिभूमि

बावल। बावल उपमंडल के गांव सुलखा में रविवार को संत कबीर की 629 जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डा. कृष्ण कुमार ने शिरकत की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि हमें संतों और महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा मिलती है। उनके विचार समाज और देश को नई दिशा प्रदान करते हैं। युवा पीढ़ी को महापुरुषों के बताए गए मार्ग पर चलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संत कबीर के सामाजिक योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने शिक्षा और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर अनेक लोग मौजूद थे।

यादव सभा के कैंप में 108 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। कैंप में बुजुर्ग महिला को परामर्श देते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया गया। कैंप में 108 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग और स्त्री रोग के मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया। इनके अलावा कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, प्रो. सतीश , गोकल राम, राम सिंह, विजय पाल व अशोक ने सहयोग दिया।

अवैध रूप से क्लिनिक चलाने पर संचालिका पर केस दर्ज

कोसली। कोसली पुलिस ने गुड़ियानी रोड स्थित प्राइवेट पेन क्लिनिक की संचालिका के विरुद्ध अवैध रूप से क्लिनिक चलाने के आरोप में बीएनएस व राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। डिप्टी सिविल सर्जन डा. विद्यासागर, ड्रग कंट्रोल ऑफिसर रजनीश कुमार धानीवाल तथा सीएम फ्लाईंग के निरीक्षक सतेंद्र कुमार की टीम ने शनिवार को कोसली के गुड़ियानी रोड पर स्थित बिमला देवी पेन क्लिनिक पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान क्लिनिक संचालिका मधु चिकित्सा व्यवसाय संचालित करने के लिए कोई वैध प्राधिकरण, पंजीकरण अथवा अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। टीम ने क्लिनिक से भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार की दवाईयां भी बरामद की थी। क्लिनिक संचालिका किसी भी प्रकार की दवाओं के क्रय-विक्रय से संबंधित बिल, स्टाक रिकार्ड अधवा अन्य आवश्यक अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके अतिरिक्त क्लिनिक में उत्पन्न होने वाले बायो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण से संबंधित कोई दस्तावेज, अनुबंध अथवा रिकार्ड भी प्रस्तुत नहीं किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने करीब 20 प्रकार की विभिन्न दवाइयों एवं चिकित्सकीय उपकरणों को कब्जे में लेकर सील किया था। सीएम फ्लाईंग की सूचना पर मौके पर पहुंची कोसली पुलिस ने उप सिविल सर्जन की शिकायत पर क्लिनिक संचालिका मधु के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

धर्म

भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के मैदान में भागवत गीता का उपदेश दिया था

भागवत गीता जैसे पावन ग्रंथ का नित्य पठन व श्रवण करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को प्रेरणादायक कार्यक्रम जीवन का मधुर संगीत है भागवत गीता का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जियो गीता की जिला महिला संयोजक मीनाक्षी अरोड़ा, जिला बाल कल्याण अधिकारी श्रुति शर्मा व संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्ध के मैदान में भागवत गीता का उपदेश दिया था। उपदेश सुनकर अर्जुन ने कहा कि भगवन मेरा मोह समाप्त हो गया है। मेरा कर्तव्य बोध जागृत हो गया है। युद्ध में पांडवों की जीत हुई, क्योंकि वे धर्म के मार्ग पर थे। शिक्षाविद प्रो. सी एल सोनी, प्राचार्य राजेन्द्र सिंह यादव, डा. बलबीर अग्रवाल व प्राचार्य विजय शर्मा ने कहा कि भागवत गीता का दिव्य संदेश आज पूरे विश्व में समय

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

प्रबंधन के कुशल मार्गदर्शक के रूप में विश्व के अनेकों विशविद्यालयों में पढ़ाया जाता है। पूर्व नगर परिषद प्रधान सरोज भारद्वाज, पार्षद सुचित्रा चांदना, पार्षद पूजा देवी व डा. नीरू वर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता है भागवत गीता जैसे पावन ग्रंथ का हम अपने घरों में नित्य पठन व श्रवण करें। विश्व योग दिवस के अवसर पर हैल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को योग-आसनों व प्राणायाम का अभ्यास कराया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समाजसेवी भाई श्योलाल, कर्मवीर, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर, कुलदीप सोनी, समाजसेवी राजेन्द्र गेरा व शिक्षाविद सत्यपाल शास्त्री को सम्मानित किया गया।

ये मौजूद रहे

कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र कुमार, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, भारत कालड़ा, कपिल कपूर, प्रीती, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर, आदर्श राजपाल, पुलकित ग्रोवर व त्रिभुवन भटनागर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़ियानी में सन् 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।
बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़यिानी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

कविता — **नरेन्द्र कुमार**

ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वाले,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

रागनी — **मनोज वशिष्ठ**

प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बदल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छाँया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छाँया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आमटी तालाब

पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है

स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस

समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन

यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-

जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं। कैमरे के सामने अभिनय का अपना मज़ा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं । अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने

हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

रेवाड़ी। राव तुलाराम पार्क में योगाभ्यास करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

योग केवल एक दिन तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे जीवन का अंग होना चाहिएः सैनी

रेवाड़ी। राव तुलाराम पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आरोग्या योगा ग्रुप की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर योग साधकों ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया और पार्क में पौधरोपण कर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। इस मौके पर योगा ग्रुप के योग गुरु प्रकाश सैनी ने कहा कि योग ऋषि-मुनियों की अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को न केवल देश के कोने-कोने तक पहुंचाया गया है, बल्कि विश्व स्तर पर भी भारत की पहचान बनी है। उन्होंने कहा प्रकृति को बचाने के लिए पौधरोपण और उसकी देखभाल जरूरी है, तो स्वास्थ्य को मजबूत रखने के लिए योग भी उतना ही आवश्यक है। निरोगी जीवन के लिए प्रतिदिन योग अभ्यास करना चाहिए और कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। योग केवल एक दिन तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे जीवन का अंग होना चाहिए। वहीं युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। ग्रुप के सह-आचार्य सुभाष सोनी ने कहा कि योग करने से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि दिन की शुरूआत भी अच्छी होती है। योग ग्रुप की महिला अध्यक्षा श्वेता सोनी ने कहा कि योग शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। इस अवसर पर पूनम यादव, सरोज यादव, श्वेता सोनी, अंजू, कुसुम सोनी, सरोज, दिनेश गोयल, एडवोकेट अमित, ओमप्रकाश महंत, कुलदीप सोनी, राजीव भार्गव, डा. ओमप्रकाश, संजय जैन, बीरेन्द्र बंसल, कार्तिक, बबन, अमन बत्ता, मुकेश, डा. राजेश और दीपक भल्ला सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

जिला न्यायालय परिसर में योग दिवस मनाया

रेवाड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कोर्ट परिसर रेवाड़ी मे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, न्यायालय स्टाफ, डीएलएसए स्टाफ, पैनल अधिवक्ता एवं पैरा लीगल वॉलेंटियर्स ने योगाभ्यास किया। इस मौके डीएलएसए के पैनल अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वॉलेंटियर्स पौधे वितरित और रोपित किए।

विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व एवं स्वास्थ्य विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है योगः दिलबाग सिंह

रेवाड़ी। आईजीयू में ध्यान का अभ्यास करती छात्राएं,आईजीयू में योगाभ्यास करते हुए शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से निर्धारित थीम स्वस्थ आयु के लिए योग के अंतर्गत योग विभाग एवं संकाय छात्र कल्याण के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार उपस्थित थे। योग शिक्षक अमित ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व एवं स्वास्थ्य विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में मानसिक तनाव, शारीरिक समस्याओं एवं असंतुलित जीवनशैली से मुक्ति पाने के लिए योग सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही वास्तविक धन है और योग के माध्यम से इसे जीवनभर सुरक्षित रखा जा सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर एवं मन को स्वस्थ, ऊजार्वान और संतुलित बनाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक एवं समग्र पद्धति है, जो मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और दीर्घायु प्रदान करती है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. जयपाल सिंह राजपूत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डा. अमनदीप सहायक आचार्य योग विभाग ने किया। इस मौके पर डा. सतीश कुमार, डा. हेमंत कुमार, डा. सुनील, डा. अंशु व मास्टर उदयराज सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी तथा मीरपुर के ग्रामीण मौजूद थे।

बाल भवन में की साफ-सफाई

रेवाड़ी। रविवार को योग दिवस के अवसर पर आई लव रेवाड़ी टीम की ओर से 87वां सफाई अभियान बाल भवन में चलाया गया। इस मौके पर टीम ने सफाई करने के साथ-साथ योगाभ्यास भी किया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की धर्मपत्नी सविता देवी ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। आयुष्य मंदिरम संस्था की ओर से अनेक योग क्रियाएं कराई गई। इस अवसर पर ममता यादव सदस्य हरियाणा स्टाफ सलेक्शन कमीशन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिकरत की। उन्होंने सफाई अभियान में सहयोग देने वाले लोगों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सतीश यादव खजाना अधिकारी, मनोज यादव रिटायर्ड ईओ, विरेन्द्र सिंह जिला बाल कल्याण अधिकारी, कैलाश यादव, सुरेन्द्र यादव, विवेक यादव, बीर सिंह, विकास, अशोक यादव, राजेश अदलखा व मोनू सहित अनेक लोग मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बुजुर्ग ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

रेवाड़ी। रतनथल में रविवार को लगभग 60 साल के बुजुर्ग ने संदिग्ध हालत में जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। गांव निवासी बिजेंद्र सिंह रविवार को अपने घर पर ही थी। इसी दौरान अचानक उसकी तबियत बिगड़ने लगी। उसके उल्टियां करने के बाद परिजनों ने उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया। शव का पोस्टमार्टम सोमवार को होगा। पुलिस ने जहरीला पदार्थ खाने के कारणों की जांच शुरू कर दी।

दौड़ में प्रीतम ने जीता गोल्ड मेडल

नारनौल। गांव मंढाणा के प्रीतम कुमार ने अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के

उपलक्ष्य पर राजघाट नई दिल्ली में आयोजित 10 किलोमीटर लंबी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। इस प्रतियोगिता में सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रीतम काफी सालों से लंबी दौड़ का अभ्यास कर रहे है और कई राष्ट्रीय व अंतर राष्ट्रीय मैराथन प्रतियोगिता भी जीत चुके है। प्रीतम बहुत ही साधारण परिवार से निकला है। इस अवसर पर गांव व क्षेत्र में खुशी की लहर है।

धरसूं में किया श्रीश्याम बाबा का जागरण

नारनौल। गांव धरसूं में चौथा श्रीश्याम जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें टाईगर क्लब प्रधान राकेश यादव, पदाधिकारी राजेश सैनी, प्रमोद सैनी, सुनील शर्मा, प्रवीण यादव पहुंचे। श्रीश्याम सेवा समिति एवं समस्त ग्रामवासी की ओर से जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें मन्नू श्याम प्रेमी जींद, संजय शर्मा दिल्ली, सोनू लीला पार्टी नावदी ने श्याम बाबा का मधुर गुणगान किया गया। महाकाल आर्ट ग्रुप ने झांकियों की प्रस्तुति दी। मंच संचालन हेमंत जैन ने किया। वहीं 56 भोग की सेवा समाजसेवी पवन कौशिक, अनिल कौशिक, राहुल ने की। कार्यक्रम में पहुंचे सम्मानित अतिथियों का सम्मान आयोजक पवन कौशिक, अनिल कौशिक, हन्नी, राहुल ने बाबा का पटका व स्मृति चिह्न देकर किया।

कई दिनों से सड़क किनारे पड़ी गंदगी, लोग हो रहे परेशान

करीब 22 लाख खर्च, फिर भी गंदगी से नालों का बुरा हाल

नारनौल। सफाई के बावजूद रेवाड़ी रोड पर छलक नाले में भरी गंदगी।

छलक नाले की गंदगी सड़क पर छोड़ भूला नगर परिषद, बरसात में फिर नाले में बह रहा कचरा

सफाई पर उठ रहे सवाल, पार्षदों की नाराजगी के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

मानसून से पहले सफाई अभियान अधूरा, जलभराव और बीमारियों का बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मानसून की दस्तक के बीच शहर में नालों की सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर परिषद द्वारा करीब 22 लाख रुपये खर्च कर मुख्य नालों और वार्डों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। शहर के प्रमुख छलक नाले की सफाई के दौरान निकाली गई गंदगी कई दिनों से सड़क किनारे पड़ी हुई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नगर परिषद ने 15 जून को गोशाला रोड के साथ लगते छलक नाले में जेसीबी मशीन लगाकर सफाई अभियान चलाया था। सफाई के दौरान नाले से निकाली गई सिल्ट, प्लास्टिक और अन्य कचरे को सड़क किनारे डाल दिया गया, लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उसका उठान नहीं किया गया। अब बरसात शुरू होने के बाद यही गंदगी वापस बहकर नाले में जा रही है, जिससे पूरे अभियान की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लग गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले की सफाई केवल दिखावे तक सीमित रह गई है। सड़क किनारे पड़े कचरे से दुर्गंध फैल रही है और राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर नालों की सफाई आधी-अधूरी छोड़ दी गई है, जिससे बरसात के दिनों में जलभराव का खतरा और बढ़ गया है। नगर परिषद ने शहर के मुख्य नालों और वार्डों की सफाई के लिए करीब 22 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है, जबकि हुडा सेक्टर सहित पॉश कॉलोनियों के नालों की सफाई के लिए अलग से लगभग 13 लाख रुपये का टेंडर दिया गया है।

सफाई अभियान एक नजर में

- मई माह से नगर परिषद ने शुरू किया सफाई अभियान
- मुख्य नालों व वार्डों की सफाई के लिए 22 लाख रुपये का टेंडर
- हुडा सेक्टर व पॉश कॉलोनियों के लिए 13 लाख रुपये का अलग टेंडर
- 4 जून को डीएमसी रणबीर सिंह ने किया शहर के नालों का निरीक्षण
- 16 जून को पार्षदों ने बैठक में जताई थी भारी नाराजगी
- कई स्थानों पर अब भी नाले गंदगी और झाड़-झंखाड़ से भरे पड़े हैं।

नगर पार्षद भी नाराज

16 जून को आयोजित नगर परिषद की साधारण बैठक में भी लगभग सभी पार्षदों ने नालों की सफाई और शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई थी। पार्षदों का कहना था कि जब तक वे सफाई कार्य से संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक संबंधित एजेंसियों को भुगतान नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई बड़ा सुधार देखने को नहीं मिला है। शहरवासियों का कहना है कि यदि मानसून के दौरान नालों की समय पर और सही तरीके से सफाई नहीं हुई तो कई इलाकों में जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। इसके अलावा गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ने और संक्रामक बीमारियां फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

डीएमसी कर चुके निरीक्षण

इससे पहले 4 जून को जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) रणबीर सिंह ने काठ मंडी, रेलवे रोड, एचएसवीपी सेक्टर, नागरिक अस्पताल रोड और सीआईए रोड सहित कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया था।

गंदगी से बढ़ सकता है बीमारियों का खतरा

नालों में जमा कचरा और सड़क किनारे पड़ी गंदगी मच्छरों एवं अन्य रोग फैलाने वाले कीटों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी परिस्थितियों में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दस्त, टायफाइड और त्वचा संबंधी रोग फैलने की आशंका बढ़ जाती है। बरसात के दौरान यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

निरीक्षण कर पुनः सफाई करवाई जाएगी

शहर के नालों की सफाई को लेकर कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतों के आधार पर सफाई कार्य कर रही टेंडर एजेंसी को दोबारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जहां-जहां से शिकायतें मिल रही हैं, वहां निरीक्षण कर पुनः सफाई करवाई जाएगी। एजेंसी को तय मानकों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

-सोहन सिंह, एमई नगर परिषद, नारनौल।

एयर कंडीशनर की ठंडक बनी मौत का जाल

गाड़ी में सोए युवक की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

खंड सिहमा के गांव फैजाबाद में शनिवार को एक दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। यहां कार के अंदर एयर कंडीशनर चलाकर सो रहे एक युवक की दम घुटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 39 वर्षीय विकास पुत्र हरलाल के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अपनी कार में एयर कंडीशनर चालू कर आराम करने के लिए सो गया था। बताया जा रहा है कि कुछ समय बाद गाड़ी के एसी का फैन बंद हो गया, जिससे वाहन के अंदर हवा का संचार रुक गया। बंद गाड़ी में ऑक्सीजन की कमी और बढ़ती घुटन के कारण उसकी हालत बिगड़ती गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई। सायं करीब छह बजे जब परिजनों ने काफी देर तक कोई हलचल न देखी तो उन्होंने गाड़ी का दरवाजा खोला। अंदर विकास को अचेत अवस्था में पाया गया। जांच करने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे एक 22 वर्षीय बेटे को छोड़ गया है। फैजाबाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया।

नावदी की बेटी ज्योति यादव ने बिहार में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव नावदी की बेटी ज्योति यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर हरियाणा का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित परिणाम में ज्योति ने जनरल कैटेगरी में 578वीं रैंक प्राप्त की है। ज्योति ने जनवरी माह में बीपीएससी परीक्षा दी थी, जबकि अप्रैल में उनका साक्षात्कार पूरा हुआ। शनिवार को घोषित अंतिम परिणाम में 2035 चयनित अभ्यर्थियों की सूची में उनका नाम शामिल हुआ। इस उपलब्धि के आधार पर वह प्रांतीय सिविल सेवा में ब्लॉक पंचायत राज अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। पिता डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि ज्योति बचपन से ही मेधावी रही है और परिवार का उसे हमेशा पूरा सहयोग मिला। ज्योति के बड़े भाई सुनील दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं और उन्होंने बहन की पढ़ाई में आर्थिक सहयोग दिया। साथ ही छोटा भाई भी सिविल सेवा की तैयारी कर रहा है। ज्योति की इस उपलब्धि पर गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

सिसोठ के अंकित का भारतीय वायुसेना में चयन

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ के लिए गौरव का क्षण तब आया जब गांव के किसान एवं पूर्व पंच जगदीश प्रसाद के पौत्र तथा अजीत कुमार के सुपुत्र अंकित का भारतीय वायुसेना में चयन हुआ। अंकित किसान परिवार से हैं और अपने परिवार में सरकारी सेवा में जाने वाले पहले सदस्य बने हैं। इस उपलब्धि पर रविवार को ग्राम पंचायत सिसोठ एवं मिशन जन सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरपंच विरेन्द्र कुमार, मिशन जन सेवा समिति अध्यक्ष मुकेश चौहान एवं सदस्य दीपक राव, पंच सोमवीर, सीताराम सहित गांव के गणमान्य नागरिकों ने अंकित को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंटकर सम्मानित किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधा भेंट करना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह, प्रधान शमशेर सिंह, कृष्ण चेयरमैन, स्वास्थ्य निरीक्षक रणबीर, सूबेदार मेजर सतबीर सिंह, धीरपाल फौजी, कवर सिंह यादव, पूर्व पंच सुभाष, स्टेशन मास्टर सरजीत, राजेश ठेकेदार, श्रीपाल, रविन्द्र, प्रधान सुजान मालडा, निहाल सिंह, थानेदार धीरेपाल, मुकेश कुमार व मा. नित्यानंद सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अंकित को फूलमाला पहनाकर आशीर्वाद दिया तथा देश सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने बताया कि अंकित शुरू से ही पढ़ाई में होशियार एवं मेहनती रहे हैं।

तेजप्रकाश बने वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नांगल के होनहार युवा तेजप्रकाश शर्मा ने भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनकर अपने परिवार गांव और पूरे अटेली क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। तेज प्रकाश शर्मा के पिता राजेश कुमार शर्मा भारतीय वायु सेना में मास्टर वारंट अफसर के पद पर कार्यरत हैं।जबकि माता सुनीता देवी गृहिणी हैं। माता-पिता ने बेटे की सफलता का श्रेय उसकी कड़ी मेहनत,अनुशासन और देशसेवा के प्रति समर्पण को दिया है परिवार के अनुसार,तेज प्रकाश ने बचपन से ही बड़े लक्ष्य निर्धारित किए और निरंतर प्रयासों के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनके स्वर्गीय दादा मातादीन मिस्त्री और दादी कमला देवी के संस्कारों के साथ-साथ परिवार के सहयोग ने भी उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में गर्व और उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों का कहना है कि तेज प्रकाश शर्मा की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, लग्न और मेहनत के दम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

लोगों ने समाज को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प

धारूहेड़ा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धारूहेड़ा में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ युवाओं में अनुशासन, सकारात्मकता और नशे से दूर रहने की भावना का संचार किया गया। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामपाल यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और शांत मन ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। युवा शक्ति यदि योग और अनुशासन को अपने दैनिक जीवन में अपना ले, तो हम एक नशामुक्त और आदर्श हरियाणा का निर्माण करने में सफल होंगे। योग शिक्षकों की ओर से लोगों को योग की बारीकियों से अवगत कराया गया। विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग न केवल बीमारियों को दूर रखता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और कार्यक्षमता में भी अद्भुत वृद्धि करता है। इस शिविर में सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे। सभी लोगों ने प्रतिदिन योग करने और समाज को स्वस्थ व नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: जिला प्रशासन की ओर से राव तुलाराव स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम मनाया गया

जिलावासियों में दिखा उत्साह, स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का दिया संदेश

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि बेहतर जीवनशैली की कुंजी: डीसी अभिषेक

रेवाड़ी। कोसली में योगाभ्यास करते विधायक व अन्य नागरिक, राव तुलाराम स्टेडियम में योगा करते हुए बुजुर्ग महिलाएं व युवा तथा अधिकारी, खिलाड़ी व नागरिक। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। राव तुलाराम स्टेडियम में योगा करते डीसी, एसपी व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

■ मुख्यातिथि केंद्रीय राज्य मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह के नहीं पहुंचने पर डीसी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

जिले में रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला प्रशासन की ओर से राव तुलाराव स्टेडियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशासन की ओर से कोसली व बावल सहित सभी खंडों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि केंद्रीय राज्य मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह के नहीं पहुंचने पर डीसी अभिषेक मीणा ने मुख्यातिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है, मन और शरीर स्वस्थ होने पर व्यक्ति बेहतर कार्य करता है, इसलिए हमें योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम में एसपी हेमेंद्र मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, एसडीएम सुरेश कुमार, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार व भाजपा जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल सहित जिले के सैकड़ों नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी ने प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

इस अवसर पर डीसी मीणा ने कहा कि आज की जीवन शैली तनावपूर्ण हो गई है। प्रति दिन योग करने से मानसिक व शारीरिक बीमारियों से बचा जा सकता है और जीवन को गुणवान बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में लोगों को अपने स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन योग अवश्य करना चाहिए। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि बेहतर जीवनशैली की कुंजी है। नियमित योग करने से जीवन में शांति आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न रोगों के लिए अलग-अलग प्रकार के योग और प्राणायाम निर्धारित हैं, जिनका नियमित अभ्यास स्वास्थ्य लाभ पहुंचाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का संबोधन का भी लाइव प्रसारण दिखाया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. बसंत सोनी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने किया।

कोसली में गरिमामयी ढंग से मनाया कार्यक्रम

कोसली के राजीव गांधी खेल परिसर में रविवार को भारतीय संस्कृति एवं ऋषि परंपरा के सम्मान का प्रतीक योग दिवस को गरिमामयी ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर कोसली के विधायक अनिल यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में 21 जून का दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए पारित कराया था। वर्ष 2015 में पहली बार विश्व भर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज दुनिया के 197 देशों में योग दिवस मनाया गया है, जोकि भारत के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लगभग सभी गांवों में योग सहायक नियुक्त किए गए हैं। हरियाणा योग आयोग का गठन कर सभी जिलों में योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। विधायक ने कहा कि सभी नागरिकों को प्रतिदिन योगाभ्यास अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर आयुष विभाग के योग सहायकों ने प्रोटोकाल के अनुसार उपस्थित जनसमूह को योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराया। एसडीएम विजय कुमार यादव ने पौधा व पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

ये रहे मौजूद

डीएसपी विद्यानंद, जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा, नायब तहसीलदार नेहा यादव, बीडीपीओ अनिल कुमार, बीईओ सुरेश कास्वां, प्राचार्य डीएन भारद्वाज, आयुष चिकित्सक डा. प्रीति, डा. मोनिका, उप अधीक्षक राजेश कुमार, दलसिंह आर्य, भाजपा जिला उपप्रधान बलजीत यादव, सुदेश यादव, मंडल अध्यक्ष अनूप सिंह, उदयभान डागर, अनिल भारद्वाज, सरपंच रामकिशन जांगड़ा, सरपंच श्याम सिंह, बॉक्सिंग कोच ममता प्व दयानंद आर्य मौजूद थे।

जवानों का शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना अत्यंत आवश्यक: आईजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस महानिरीक्षक साउथ रेंज कार्यालय परिसर में रविवार को आईजीपी ओमप्रकाश नरवाल के नेतृत्व में योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर पुलिस के जवानों को मानसिक तनाव से मुक्त और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के प्रति प्रेरित किया गया। शिविर का संचालन और प्रशिक्षण योग प्रशिक्षक सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया। एसआई ने ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम के शारीरिक व मानसिक लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर आईजीपी ओमप्रकाश नरवाल ने कहा कि पुलिस की नौकरी अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण होती है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जवानों का शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। योग केवल एक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक पद्धति है जो हमारे मन, कर्म और विचारों को संतुलित करती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों और जवानों ने अपनी दैनिक दिनचर्या में कम से कम 30 मिनट योग करने की शपथ ली। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला पुलिसकर्मी और जवान जवान उपस्थित थे।

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया

रेवाड़ी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अहीर कॉलेज में योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग दिवस पर प्राचार्य, प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। इस मौके पर प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है। कार्यक्रम प्रभारी डा. धीरज सांगवान ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से योग अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। योगा आचार्य योगेश और प्रियंका ने बताया कि योग तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने तथा शरीर को निरोग रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

रीजनल सेंटर में फैकल्टी सदस्यों ने मिलकर किया योगाभ्यास

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के गांव कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानवता के लिए योग की थीम पर फैकल्टी सदस्यों ने एक साथ मिलकर योगाभ्यास किया। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए योग के महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर रीजनल सेंटर के निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि योग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करना चाहिए और इसके माध्यम से एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए।

समिति ने दी योग की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपयोगिता की जानकारी

रेवाड़ी। योग सेवा समिति सेक्टर-3 की ओर से हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कम्युनिटी सेंटर में योग कक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोहित जैन प्रधान जैन पब्लिक स्कूल ने किया। योग सेवा समिति के प्रधान रमेश मित्तल एवं वरिष्ठ योग साधक सरदार कृपाल सिंह ने योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा योग की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बलजीत यादव, राजेन्द्र सिंघल, मुरारी लाल शर्मा, ईश्वर, डा. नवीन अदलखा, चंदन सिंह, शिव नारायण, सविता झाम्ब, राज, सुनीता, कंचन, मोहिनी, अमित गर्ग, प्रभा अग्रवाल व रामनिवास अग्रवाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

खेल नर्सरी के खिलाड़ियों ने स्कूल में किया योगाभ्यास

रेवाड़ी। गांव सीहा स्थित सीएम ईईई राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय की खेल नर्सरी के खिलाड़ियों ने योग प्रोटोकॉल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सरपंच प्रतिनिधि दीपक यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक हरीश कुमार ने की। कोच संदीप यादव तथा मोनिका यादव ने सभी खिलाड़ियों को योग प्रोटोकॉल कराया, जिसमें खेल नर्सरी सहयोगी सुमन ने सहयोग किया। इस अवसर पर विद्यालय की कबड्डी तथा एथलेटिक्स खेल नर्सरी के सभी खिलाड़ियों के अलावा ग्रामीण भी मौजूद थे।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला

रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस लाइन, थाना परिसरों और पुलिस चौकियों में योग सत्रों का आयोजन किया, जिसमें पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। योग विशेषज्ञों ने पुलिसकर्मियों को विभिन्न प्रकार के आसन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया। इस दौरान जवानों को कठिन ड्यूटी के बीच फिटनेस बनाए रखने और मानसिक तनाव को कम करने के अमूल्य टिप्स भी दिए गए। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में योग हमें विरासत में मिला है, जिसका लोहा आज पूरी दुनिया मान चुकी है। पहला सुख निरोगी काया है और योग बीमारियों को दूर भगाने का मूल मंत्र है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। यह हमारे मन, मस्तिष्क और शरीर में अद्भुत संतुलन व समन्वय बनाने का कार्य करता है। एसपी मीणा ने कहा कि पुलिस कर्मियों के लिए योग विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। चौबीस घंटे मुस्तैद रहने वाले जवानों को योग से न केवल शारीरिक थकान, बल्कि मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिलती है। यदि सभी अधिकारी और कर्मचारी योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो वे शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक ऊर्जावान रहेंगे।

योगासन व प्राणायाम के महत्व पर प्रकाश डाला

बावल। रविवार को बावल न्यायालय परिसर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीएस वाधवा तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेणु सोलखे के मार्गदर्शन में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी बावल आलोक आनंद व बावल बार एसोसिएशन के प्रधान प्रीतम ढिल्लों सहित न्यायालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी और बार एसोसिएशन के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षक योगिंद्री ने सभी को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कराए तथा नियमित योग के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। वर्तमान समय में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। सभी व्यक्तियों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के दीर्घकालिक लाभ: प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

गांव गोठड़ा अहीर स्थित सैनिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह व प्रोटोकॉल के साथ मनाया गया। इस दौरान कैडेट्स, अकादमिक-प्रशासनिक कर्मचारी व अधिकारियों ने एक साथ मिलकर योग सत्र में भाग में भाग लिया व योग-प्राणायाम युक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। सभी ने योग प्रशिक्षकों और एपीटीसी पीटी प्रशिक्षकों की देखरेख में विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य ने कैडेट्स व स्टाफ को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग के दीर्घकालिक लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि योग शरीर एवं मन, विचार एवं कर्म की एकात्मकता तथा मनुष्य एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग का नियमित अभ्यास स्व-अनुशासन एवं कल्याण की भावना विकसित करता है। यह मनुष्य को अनेक रोगों से तो मुक्त रखता ही है, साथ ही उनमें बेहतर सोच एवं सकारात्मक ऊर्जा भी उत्पन्न करता है। योग से शारीरिक व मानसिक संतुलन बना रहता है तथा मनोबल में वृद्धि होती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

करो योग रहो निरोग

पतंजलि परिवार के तत्वावधान श्रीराम पैलेस झज्जर रोड में योग दिवस समारोह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद पार्षद सुमन सैनी ने शिरकत की

योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर: सुमन सैनी

■ ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं ध्यान का अभ्यास करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। योग दिवस पर योगाभ्यास करते नागरिक। फोटो : हरिभूमि

योग दिवस के अवसर पर पतंजलि परिवार के तत्वावधान श्रीराम पैलेस झज्जर रोड में योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुकेश सैनी प्रांतीय संयोजक पर्यावरण की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद पार्षद सुमन सैनी ने शिरकत की। इस अवसर पर दयाराम आर्य जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति, दिनेश सैनी अध्यक्ष भारत विकास परिषद, श्रीराम मानव विकास एवं शिक्षा समिति सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में राजेश बाई तहसील प्रभारी पतंजलि योग समिति कोसली तथा राजेंद्र सिंह तहसील प्रभारी पतंजलि योग समिति ने योग साधकों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। योगाभ्यास के अंतर्गत ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। मुख्य अतिथि सुमन सैनी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी मुकेश कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस केवल एक दिवस का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का जन आंदोलन है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में योग शिक्षक हेडमास्टर समय सिंह, कैप्टन जगरूप सिंह, हरिओम वैद्य, सुदेश कुमारी, सावित्री देवी, गायत्री देवी, सुदर्शना, कृष्णा देवी, पूनम जांगड़ा, शैलेन्द्र प्रताप सहित भारत विकास परिषद के सचिव रामकिशोर, योगाचार्य एवं शाखा पर्यावरण संयोजक दयाराम आर्य, सेवा संयोजक हुक्म चंद प्रजापत, डा. अनिल सैनी, नंदलाल धींगडा, हेड मास्टर रामकिशन, डा. प्रताप सिंह, अन्नू डागर जिला प्रभारी युवा भारत, सरदार कश्मीर सिंह, हर्ष सैनी, अजय गुप्ता, नितिन गोयल, अजय जैन, राकेश कुमार व प्रभा सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

रेवाड़ी। पतंजलि परिवार की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लक्ष्मण सिंह यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. नरेंद्र यादव ने शिरकत की। इस मौके पर विधायक ने कहा कि आज 190 देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में विकास, अनिल, महिपाल, सतपाल शास्त्री, होशियार सिंह, मवासी राम, गीता तंवर, सुशीला, शर्मिला, जागृति, विमला, कमला, कविता, सुनीता संजू, रोशनी, वीणा आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को अनेक आसनों का अभ्यास करवाया

डहीना। पतंजलि परिवार की ओर से रविवार को विवेकानंद पब्लिक स्कूल डहीना और गोठड़ा में विश्व योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर नरेश यादव जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति ने ग्रामीणों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। इस मौके पर हवन भी किया गया। वहीं गोठड़ा में विजय पाल तहसील प्रभारी व ओम प्रकाश सैन ने ग्रामीणों को अनेक आसनों व ध्यान का अभ्यास कराया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा व बच्चे मौजूद थे।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260